Prices of Vegetables

3243. SHRI NILOTPAL BASU: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the changes in the retail prices in the open market of potato, onion, brinjal, ginger, palak; and

(b) the response of Government and the measures contemplated in terms of rectifying the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) There is generally an upward trend in the prices of potato, onion, brinjal, ginger and palak. A statement indicating changes in retail prices of these items in Delhi is enclosed (*See* below). The rise in prices is due to increased demand and lower supply attributable partly to lower production (particularly Onion & Potato) on account of unfavourable weather conditions like untimely heavy rains and high temperature and partly owing to transportation difficulties (like ginger from North-East).

(b) In order to alleviate the difficulties faced by the consumers in respect of vegetables in Delhi, the Government has initiated action to supply onions through Public Distribution Agencies at a subsidised rate of Rs. 10/- per kg. The NAFED has been directed to procure onion from Gujarat, Rajasthan and Haryana and to make it available to the public distribution agencies like Kendriya Bhandar, Super Bazar, NCCF and to the agencies of Food and Civil Supplies Department of NCT of Delhi from 14.7.1998. The Food & Civil Supplies, Department of Government of NCT of Delhi has already taken action to distribute potato and onion procured from the wholesale market, at the rate of Rs. 7 per kg. for potato and Rs. 10 per kg. for onion.

Statement

Retail Prices of Main Vegetable in Delhi Market from March to June, 1998

(Rs. per quintal)

Commodity	March	April	May	June
Potato	568	769	807	988
Onion	1002	630	661	868
Brinjal	2051	1266	1537	1973
Ginger	—	2724	3365	3641

कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना किया जाना

3244. **चौधरी हरमोहन सिंह यादव:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार 250 से अधिक जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो आज की तिथि के अनुसार किन-किन क्षेत्रों में उक्त केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं; और

(ग) अन्य जिलों में ये केन्द्र स्थापित न किये जाने के क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) और (ख) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पहले ही 255 जिलों में 261 कृषि विज्ञान केन्द्र (कृ०वि०के०) स्थापित कर चुकी है (राज्यवार ब्यौरा विवरण-1 में संलग्न है) (नीचे देखिए)

नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान परिषद का राष्ट्रीय कृषि प्रौद्योगिकी प्रायोजना (एन ए टी पी) के तहत विश्व बैंक से सहायता प्राप्त कृषि विज्ञान केन्द्र के अतिरिक्त कार्यों को शुरू करने के लिए 53 क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्रों को सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है विवरण 2 (नीचे देखिए)

(ग) शेष जिलों में नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना नौवीं योजना के दौरान अतिरिक्त वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी?

विवरण-1

भारत के विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में जिलों का विवरण

क्रम सं॰	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	कृ॰वि॰के॰ सहित जिले (कृ॰वि॰के॰ की संख्या)	
राज्य			
1.	आंध्र प्रदेश	15	(16)
2.	अरुणाचल प्रदेश	01	(01)
3.	असम	04	(04)
4.	बिहार	21	(21)
5.	गोवा	01	(01)
6.	गुजरात	10	(10)
7.	हरियाणा	12	(12)
8.	हिमाचल प्रदेश	08	(08)
9.	जम्मू एवं कश्मीर	04	(04)
10.	कर्नाटक	10	(11)
11.	केरल	09	(09)
12.	मध्य प्रदेश	20	(20)
13.	महाराष्ट्र	22	(23)
14.	मणिपुर	01	(01)
15.	मेघालय	01	(01)
16.	मिजोरम	02	(02)
17.	नागालैंड	01	(01)
18.	उड़ीसा	12	(12)
19.	पंजाब	9	(10)
20.	राजस्थान	30	(31)
21.	सिक्किम	01	(01)
22.	तमिलनाडु	16	(16)
23.	त्रिपुरा	02	(02)
24.	उत्तर प्रदेश	30	(30)
25.	प॰ बंगाल	8	(9)
	कुल	250	256
संघ शासित क्षेत्र			
1.	अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह	01	(01)
2.	दिल्ली	01	(01)
3.	लक्षद्वीप	01	(01)
4.	पांडिचेरी	02	(02)
	कुल	05	(05)
	कुल योग	255	261

स्रोतः भारत 1996 संदर्भ वार्षिक, प्रकाशन प्रभाग, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार (मई, 1997)

विवरण-2

कृषि विज्ञान केन्द्रों (कृ॰ वि॰ के॰) के कार्यकरण हेतु क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों को सुदृढ़ करने के लिए पता लगाये गये जिले

चरण-1

क्र॰ सं॰	राज्य	कृ॰वि॰के॰ के बिना जिलों की संख्या	पता लगाये गये जिलों की संख्या	विश्वविद्यालय का नाम	जिले	उत्पादन प्रणाली
1	2	3	4	5	6	7
1.	आन्ध्र प्रदेश	8	1	ए एन जी आर य, हैदराबाद	1. नेल्लोर	कृषि बागवानी तथा मछली एवं पशुधन (तटीय)
2.	असम	18	1	ए ए यू जोरहट	2. नवगांव (शिलोगंनी)	कृषि बागवानी तथा पशुधन (पहाड़ी तथा पर्वत)

क्र० सं०	राज्य	कृ०वि०के० के विना जिलों की संख्या	पता लगाये गये जिलों की संख्या	विश्वविद्यालय का नाम	जिले	उत्पादन प्रणाली
1	2	3	4	5	6	7
3.	बिहार	31	1	आर ए यू, पूसा	3. रोहतास (बिकरागंज)	चावल, गेहूं (सिंचित) कृषि योग्य खेती (बारानी)
4.	गुजरात	9	1	जी ए यू	4. जूनागढ़	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन (बारानी)
5.	हरियाणा	4	1	एच ए यू, हिसार	5. सिरसा	कृषि योग्य खेती, (बारानी) पशुधन (बारानी)
6.	हिमाचल प्रदेश	3	1	एच पी के वी वी,	6. लाहौल स्पीति (कुमकुमसेरी) (स्पीति में टाबो)	कृषि बागवानी, पशु उत्पादन (पहाड़ी तथा पर्वत)
7.	जम्मू एवं कश्मीर	10	1	एस के यू तथा ए टी	7. कारगिल	-वही-
8.	कर्नाटक	10	2	यू ए एस, बंगलौर	6. शिमोगा	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन (आर एफ)
				यू ए एस, धारवाड़	9. गुलबर्गा	कृषि योग्य खेती, कृषि वानिकी, पशुधन उत्पादन (बारानी)
9.	मध्य प्रदेश	25	1	जे एल के वी जी, जबलपुर	10. मुरेना	कृषि योग्य खेती (आर एफ) चावल-गेहूं (सिंचित, पशु उत्पादन (बारानी)
10.	महाराष्ट्र	9	3	पी०के०वी०, अकोला	11. यवतमाल	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन कृषि वानिकी (आर एफ)
				के के वी, डपोली	12. रायगढ़ रोहा (कारजात)	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन कृषि वानिकी (आर एफ)
				एम ए यू, परभनी	13. उसमानाबाद (तुलजापुर)	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन (आर एफ)
11.	उड़ीसा	16	1	ओ यू ए टी, भुवनेश्वर	14. भदराक	कृषि योग्य खेती (आर एफ) पशुधन उत्पादन (आर एफ)
12.	पंजाब	5	1	पी ए यू०, लुधियाणा	15. रोपड़	चावल-गेहूं (सिंचित) मछली पालन (सिंचित)
13.	राजस्थान	1	1	आर ए यू बीकानेर	16. श्रीगंगानगर	कपास आधारित खेती (सिंचित) कृषि योग्य खेती (बारानी)
14.	तमिलनाडु	7	1	टी एन ए यू, कोयम्बटूर	17. कन्याकुमारी	कृषि बागवानी तथा मछली एवं पशुधन (तटीय)
15.	उत्तर प्रदेश	36	2	जी बी पी यू ए टी,	18. नैनीताल (मझेरा)	कृषि बागवानी, पशु उत्पादन (पहाड़ी तथा पर्वत)
				एन डी यू ए तथा टी, फैजाबाद	19. गौरखपुर	चावल-गेहूं (सिंचित) कृषि योग्य खेती (आर एफ)
16.	पश्चिमी बंगाल	9	1	बी सी के वी वी, मोहनपुर	20. कूचबिहार	कृषि योग्य खेती, पशुधन उत्पादन (आर एफ)

कृषि विज्ञान केन्द्रों (के० वि० के०) के कार्यकरण हेतु क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों को सुदृढ़ करने के लिए पता लगाये गये जिले

चरण-II

क्र० सं०	राज्य	के०वि०के० के बगैर जिलों की संख्या	पहचाने गये जिलों की संख्या	विश्वविद्यालय का नाम	जिले	उत्पादन प्रणाली
1	2	3	4	5	6	7
1.	आन्ध्र प्रदेश	8	2	एन०एन०जी०आर० यू०यू० हैदराबाद	1. प्रकाशम 2. अदिलाबाद	कृषि बागवानी (तटवर्ती) कृषि योग्य, खेती पशुधन उत्पादन (आर० एफ०)
2.	असम	18	4	ए०ए०यू० जोरहट	3. लखिमपुर 4. करबी आंगलोग (दीप्पू) 5. करीम गंज 6. गोलपाड़ा	कृषि योग्य खेती) (आर० एफ०) कृषि वानिकी (आर० एफ०) कृषि बागवानी (पहाड़ी पर्वत) पशुधन उत्पादन (पहाड़ी और पर्वत)
3.	बिहार	31	2	बी०ए०यू० रांची (यमुको) आर०ए०यू०पूसा	7. संथाल परगना (डुमका) 8. भागलपुर (सबौर)	कृषि योग्य, खेती (आर० एफ०) चावल गेहूं (सिंचित)
4.	गुजरात	9	2	जी० ए० यू०	9. सूरत (व्यारा) 10. एजकोट (तरघडिया)	कृषि योग्य खेती पशुधन उत्पादन (आर० एफ०) कृषि वानिकी (आर० एफ०)
5.	हरियाणा	4	2	एच०ए०यू० हिसार	11. रोहतक 12. महेन्द्रगढ़	गत्रे पर आधारित, कृषि योग्य खेती, पशुधन उत्पादन (आर० एफ०)
6.	हिमाचल प्रदेश	3	2	एच०पी०के०वी०वी० पालमपुर वाई०एस०पी०यू०एच एवं एफ०	31. विलासपुर 32. कंडाघाट (सौलन)	कृषि बागवानी (पहाड़ा एवं पर्वत) कृषि बागवानी (पहाड़ी एवं पर्वत)
7.	जम्मू एवं कश्मीर	10	1	एस०के०यू० एवं ए०टी०	13. राजौरी	कृषि बागवानी, पशुधन उत्पादन (पहाड़ी एवं पर्वत)
8.	कर्नाटक	10	5	यू०ए०एस० बंगलौर	14. बंगलौर (ग्रामीण) (हेसरघट्टा) 15. तमकुर 16. उट्टार कन्नड 17. मंड्या	कृषि योग्य खेती, कृषि वानिकी गोपशु फार्मिंग (आर० एफ०) मत्स्य एवं गोपशु (तटीय) कृषि बागवानी (तटीय) गत्रे पर आधारित (सिंचाई)
				यू० ए० एस० धारवाड़	18. चित्रदुर्ग	कृषि योग्य खेती, कृषि वानिकी पशु उत्पादन (आर०एफ०)
9.	केरल	5	1,	के० ए० यू०, त्रिचूर	33. कोट्टायम	कृषि बागवानी एवं मछली उत्पादन
10.	मध्य प्रदेश	26	4	ज०ने०कृ०वि०वि०, जबलपुर	19. होसंगाबाद (पावरखेड़ा)	कृषि योग्य खेती (बायनी) गोपशु फार्मिंग (आर० एफ०)

1	2	3	4	5	6	7
					20. प० निमार (खारगांव)	चावल-गेहूं (सिचाई)
					21. सागर	-वही-
11.	महाराष्ट्र	9	1	पी० के० वी० अकोला	22. चन्द्रपुर (सिंधवाही)	कृषि योग्य खेती (आर० एफ०) कृषि वानिकी (आर० एफ०) पशु उत्पादन (आर०एफ०)
12.	उड़ीसा	18	1	ओ०यू०ए०टी० भुवनेश्वर	23. नवरंगपुर	कृषि योग्य खेती (आर० एफ०) गोपशु उत्पादन (आर० एफ०)
13.	तमिलनाडु	7	1	त०ना०कृ०वि० कोयम्बटूर	24. पुडुकोटाई 25. रामानन्द	कृषि योग्य खेती (आर० एफ०) गोपशु उत्पादन (आर० एफ०)
14.	उत्तर प्रदेश	36	5	जी० बी० पी० यू० ए० टी० पंतनगर	26. देवरिया	चावल-गेहूं (सिंचित) डेयरी फार्मिंग (सिंचित)
				सी०एस०ए०यू० ए० एवं टी०, कानपुर	27. मैनपुरी 28. माहोबाद (बेलताल) 29. कानपुर-देहात (दलीपनगर)	चावल-गेहूं (सिंचित) डेयरी फार्मिंग (सिंचित)
				एन० डी० यू० ए० एवं टी० फैजाबाद	30. आजमगढ़	चावल-गेहूं (सिंचित)

Challenges Posed by Agriculture Sector

3245. SHRI NARENDRA MOHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) how Government propose to meet the challenges posed in the agriculture sector by declining agricultural growth rate, shrinking per-capita availability of cultivable land, increasing the cost of production coupled with increase in population; and

(b) how the basic infrastructure like irrigation, electricity, rural credit, market development etc. is proposed to be created so that agricultural growth rate is continuously increased and we do not have to resort to import of foodgrains at times?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) A regionally differentiated strategy based on broad regional characteristics of agro-economic situation will be persued during the Ninth Five Year Plan. This strategy will give due emphasis on the adequate and timely availability of inputs such as credit, fertilisers and seeds, upgradation of skills of small and marginal farmers and accelerated research efforts covering biotechnology, microbiology, and genetic improvement of crops including hybrid technology.

(b) Adequate incentives and facilities would be provided by which private sector participation is encouraged for infrastructure investments/development.